†[مولانا عبید اللہ خان اعظمی: سر، میں آپ کے ذریعہ یہ کہنا چاہتا ہوں کہ چاہے مندر دھوست کرنے والے ہوں اور چاہے مسجد دھوست کرنے والے ہوں۔ دونوں کی مذمت کرنی چاہئے۔ دونوں ہی کام بہت ہی نندنیک ہیں۔ جو لوگ اس طرح کی بھاونا رکھتے ہیں کہ مسجد دھوست کی جائے ان کا بھی دھرم سے میرے خیال سے کوئی تعلق نہیں ہے۔ اب میں یہ سوال کرنا چاہتا ہوں کہ گجرات کے بارے میں آئی۔ایس۔آئی کے سلسلے میں جو فکر مندی والی باتیں آئی ہیں۔ کیا منتری جی یہ بتانے کی کرپا کریں گے کہ گجرات میں اب تک آئی۔ایس۔آئی کے کتنے لوگ پکڑے جا چکے ہیں۔ وہ کہاں کہاں تھے اور وہ کیا کیا کر رہے تھے]

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

ग्रामीण आवास और गरीबी उन्मूलन योजनाएं

*344. **श्री राज मोहिन्दर सिंह:** क्या ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत छह माह के दौरान ग्रामीण आवास तथा गरीबी उन्मूलन संबंधी कतिपय योजनाएं तैयार करके सरकार को स्वीकृति के लिए प्रस्तुत की गई थीं;

(ख) यदि हां, तो ये योजनाएं कौन-कौन सी हैं तथा ऐसी योजनाओं के कार्यान्वयन पर कुल कितनी राशि व्यय किए जाने का प्रस्ताव है, और;

(ग) क्या इन योजनाओं को स्वीकृति दे दी गई है और यदि नहीं, तो विलंब के क्या कारण हैं?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बाबा गौड़ा पाटील): (क) से (ग) ग्रामीण आवास क्षेत्र में नई पहलें सरकार के विचाराधीन हैं। इन पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:—

1. अव्यवहार्य कच्चा मकानों को अर्द्ध-पक्का/पक्का मकानों में बदलने के लिए इन्दिरा आवास योजना (आई ए वाई) राशि में से 20% राशि आवंटित करने का प्रस्ताव।

2. इन्दिरा आवास योजना के अंतर्गत आवंटन मानदण्ड को बदलने का प्रस्ताव।

3. इन्दिरा आवास योजना के ऋण-सह-सब्सिडी घटक को प्रारंभ करने का प्रस्ताव।

4. ग्रामीण आवास और हैबिटेट विकास के लिए अभिनव स्कीम चालू करने का प्रस्ताव।

5. ग्रामीण इमारत केन्द्र स्थापित करने के लिए सहायता का प्रस्ताव।

6. ग्रामीण आवास के लिए राष्ट्रीय मिशन स्थापित करने का प्रस्ताव।

7. ग्रामीण आवास और हैबिटेट विकास निगम स्थापित करने का प्रस्ताव

8. आवास और शहरी विकास निगम (हुडको) को इक्विटी सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव।

गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के अंतर्गत कोई भी नई योजना नहीं बनाई गई है। तथापि स्वरोजगार कार्यक्रमों के पुनर्गठन और जिला ग्रामीण विकास एजेंसियों के सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव है। ग्रामीण गरीब की पारिवारिक आय में सुधार करने और साथ ही निचले स्तर पर स्थानीय आवश्यकताओं और संसाधनों के अनुकूल डिजाइन के लचीलेपन के लिए एक निश्चित उद्देश्य के साथ ग्रामीण युवा स्व-रोजगार कार्यक्रम (ट्राइसेम), ग्रामीण कारीगरों को उन्नत औजार किटों की आपूर्ति (सिट्रा), गंगा कल्याण योजना और ग्रामीण महिला और बाल विकास (ड्वाकरा) को समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के साथ मिलाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा जवाहर रोजगार योजना को सरल और कारगर बनाने का भी प्रस्ताव है।

इन योजनाओं के संबंध में अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

† [ ] Transliteration in Arabic Script.